विरुपाक्ष मंदिर मंडप का जीर्णोद्धार

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

[भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण] (Archaeological Survey of India- ASI) जल्द ही [यूनेस्को] के [विश्व धरोहर स्थल] [हम्पी] में विरुपाक्ष मंदिर के ढह चुके सालू मंतपा या मंडप (एक प्रकार का मंडप) का जीर्णोद्धार कार्य शुरू करेगा।

विरुपाक्ष मंदिर हम्पी के संबंध में प्रमुख बिंदु क्या हैं?

- विरुपाक्ष मंदिर मध्य कर्नाटक के हम्पी में स्थित है, जो 7वीं शताब्दी में निर्मित प्राचीन शिव मंदिर है।
- भगवान विरुपाक्ष, जिन्हें **पंपापति (Pampapathi)** भी कहा जाता है, इस मंदिर के मुख्य देवता हैं।
- विरुपाक्ष मंदिर का निर्माण **विजयनगर शैली की वास्तुकला में** किया गया था, जिसका निर्माण **शासक देव राय द्वितीय** के नायक लक्कन दंडेशा ने करवाया था।

//

हम्पी में स्मारकों का समूह:

- मध्य कर्नाटक में **तुंगभद्रा नदी** (Tungabhadra River) के तट पर स्थित हम्पी एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। लगभग 4,200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले **इस स्थल में 1,600 से अधिक स्मारक हैं, जिनमें किले, मंदिर, महल और अन्य संरचनाएँ** शामिल हैं।
  - यह शहर एक समय **विजयनगर साम्राज्य की राजधानी था,** जो अपने ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्त्व के लिये जाना जाता है।
- ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों और **तुंगभद्रा नदी** के बीच हम्पी का स्थान, **राजधानी शहर के लिये एक प्राकृतिक रक्षात्मक घेरे के रूप में सुरक्षा प्रदान करता है।**
- हम्पी के स्मारक विजयनगर वास्तुकला के शिखर को प्रदर्शित करते हैं, जो **इंडो-इस्लामिक प्रभावों के साथ** [द्रविड़ शैली] का एक संश्लेषण है।

- **वास्तुकला के चमत्कार:** विट्ठल मंदिर परिसर में उत्कृष्ट नक्काशीदार खंभे और प्रतिष्ठित पत्थर का रथ है।
    - **एक अन्य उदाहरण में शाही परिक्षेत्र (Royal Enclosure) भी शामिल है** जिसमें लोटस महल और हाथी अस्तबल जैसी राजसी संरचनाओं का समावेश है।
    - **हज़ारा राम मंदिर,** अपनी जटिल पत्थर की नक्काशी और मूर्तिकला पैनलों (Sculpted Panels) के लिये जाना जाता है।
    - विशाल **विरुपाक्ष मंदिर**, हम्पी के सबसे पुराने और पवित्र स्थलों में से एक है।
- **प्रसिद्ध संरचनाएँ:** कृष्ण मंदिर परिसर, नरसिम्हा, गणेश, हेमकुटा मंदिर समूह, **अच्युतराय** मंदिर परिसर, **विट्ठल मंदिर परिसर**, पट्टाभिराम मंदिर परिसर और **लोटस महल परिसर।**
- हम्पी के खंडहरों को वर्ष 1800 में **कर्नल कॉलिन मैकेंज़ी** नामक एक इंजीनियर और पुरातत्त्ववेत्ता द्वारा प्रकाश में लाया गया था।
- इसके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की मान्यता में **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization- UNESCO) ने वर्ष 1986 में हम्पी को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी।**

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

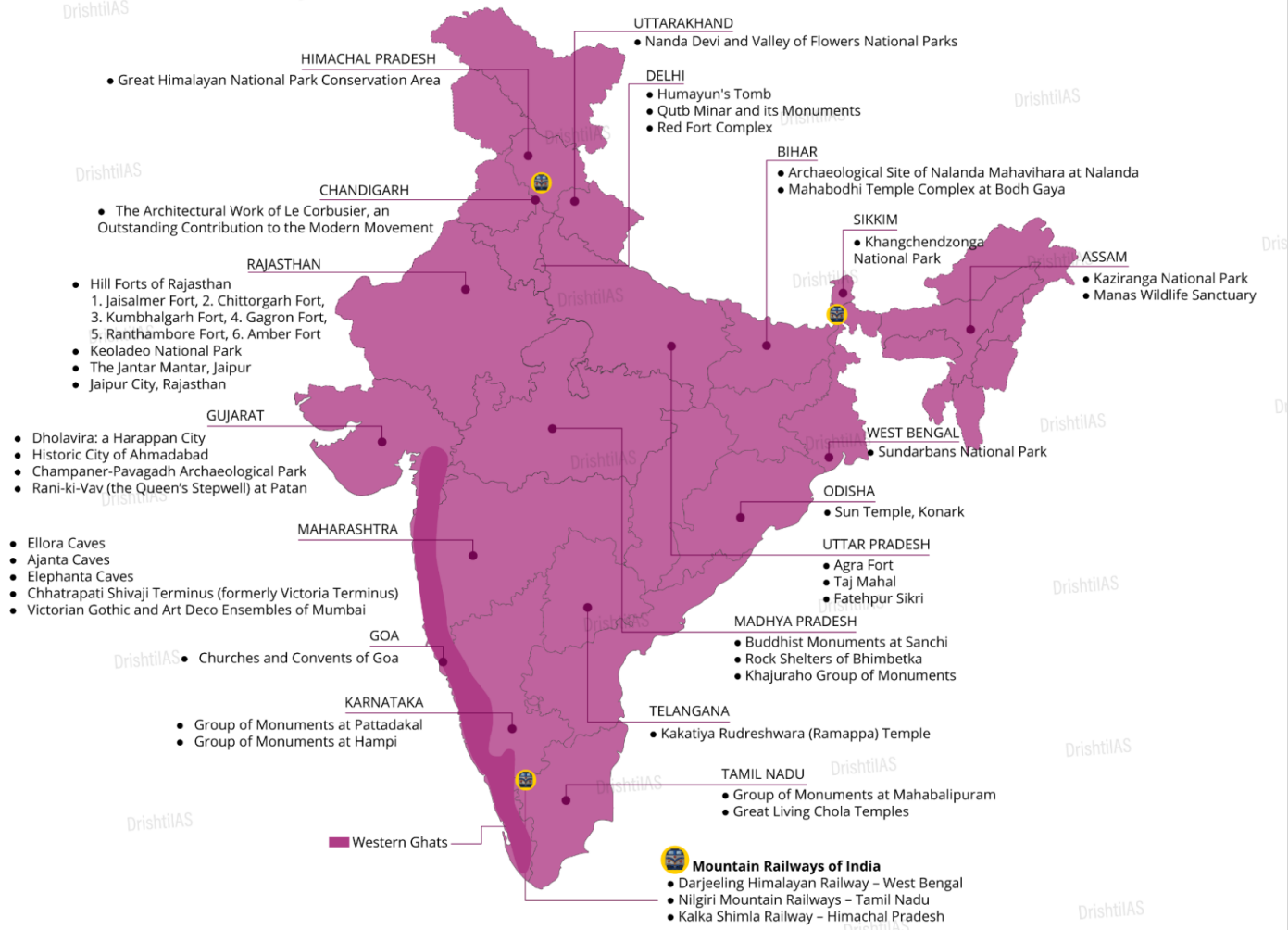

तथ्य

- **भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या –** 40
- **कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल –** 32
- **कुल प्राकृतिक स्थल –** 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- **मिश्रित स्थल –** 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- **सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल –** ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- **सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021) –** हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- **सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश –** इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्राँस (49), स्पेन (49)
- **विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठवें स्थान पर है।**

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/restoration-of-virupaksha-temple-pavilion